

भीत वि. (तत्.) स्थिति, वातावरण अथवा मनोविचार से त्रस्त व्यक्ति, डरा हुआ, भय-भीत, सहमा हुआ।

भीत स्त्री. (तद्.) 1. दो निर्माणों को पृथक करने वाली बीच की दृढ़ रचना, भित्त, दीवार 2. कमरे को दो भागों में विभक्त करने वाला पर्दा अथवा चटाई।

भीतचारी वि. (तत्.) 1. डरते-डरते काम करने वाला व्यक्ति, भय के आतंक में कार्यरत 2. आत्म विश्वास शून्य व्यक्ति।

भीतमना वि. (तत्.) जिसने मन में भय स्थापित किया हो, डरपोक।

भीतर क्रि.वि. (तद्.) अंदर, अंतर्भाग में।

भीतरी क्रि.वि. (तद्.) भीतर का, अंदर का।

भीति स्त्री. (तत्.) 1. भय, डर, त्रास 2. एक प्रकार का मानसिक रोग, अकारण ही किसी वस्तु अथवा परिस्थिति से भयभीत होना जैसे- 'जलभीति', जल देखते ही डर जाना 3. दीवार।

भीतिकर वि. (तत्.) भय उत्पन्न करने वाला, डरावना, जिसको देखकर भय उत्पन्न हो।

भीती स्त्री. (तद्.) भीति, अशंका, खटका डर, भय।

भीन पुं. (देश.) प्रभात, सवेरा, भोर, सूर्योदय के पूर्व का समय।

भीनना अ.क्रि. (देश.) 1. दो वस्तुओं का आपस में पूरी तरह से घुल-मिल जाना 2. समा जाना, निमग्न होना।

भीना वि. (देश.) 1. युक्त, भरा, पूर्ण 2. समाविष्ट, मिला-जुला हुआ।

भीम पुं. (तत्.) 1. शिव 2. कुंती पुत्र पांडव, जो वायु के संयोग से उत्पन्न हुआ था, भीमसेन 2. वि. 1. भय उत्पन्न करने वाला, डरावना 2. विशाल आकार वाला।

भीमकर्मा वि. (तत्.) अकल्पनीय कर्म करने वाला, महान कार्य करने वाला, साहसपूर्ण कार्य संपन्न करने वाला।

भीमता स्त्री. (तत्.) विशालता, भयानकता, डरावनापन, महान साहस।

भीमदर्शन वि. (तत्.) भयंकर रूप वाला, डरावना, विशाल।

भीमनाद पुं. (तत्.) 1. भयंकर ध्वनि, महान गर्जन 2. प्रलय कालीन सात मेघों में से एक का नाम।

भीमराज पुं. (तत्.) एक प्रकार की अत्यंत आकर्षक चिड़िया टि. इस का रंग चमकीला काला होता, यह एक दुर्लभ चिड़िया है, भृंगराज, यह चिड़िया अन्य चिड़ियों की बोली का यथावत अनुकरण कर सकती है।

भीमरूप वि. (तत्.) भयानक आकृति वाला, डरावना, भयावह।

भीमसेन पुं. (तत्.) पाँच पांडवों में, युधिष्ठिर के पश्चात उत्पन्न कुंती पुत्र, अत्यंत बलवान, पुराणों के अनुसार इनमें दस हाथियों का बल था।

भीमसेनी-एकादशी स्त्री. (तत्.) माघ शुक्ल एकादशी, कहीं-कहीं पर ज्येष्ठ एकादशी को भी भीमसेनी एकादशी कहा जाता है।

भीमसेनी-कपूर पुं. (तद्.) उत्कृष्ट कोटि का प्राकृतिक कर्पूर टि. इसकी सुगंध तथा इसके गुण अद्वितीय हैं, आयुर्वेद में औषधि के रूप में प्रयुक्त।

भीमा स्त्री. (तत्.) दुर्गा, महाशक्ति, भक्त जनों का कष्ट दूर करने वाली परम शक्ति विलो. डरावनी, भयदायिनी।

भीमाथली पुं. (देश.) घोड़ों की एक विशेष जाति टि. इस जाति के घोड़े सुंदर और सुघड़ होते हैं।

भीरु वि. (तत्.) डरपोक, जरा-सी आहट से डरने वाला।

भीरुता पुं. (तत्.) जरा-सी आहट से भयभीत होने का भाव, डरपोक होने का भाव।

भील पुं. (तत्.) एक वनवासी जाति टि. 'शबरी' इसी जाति की प्रसिद्ध राम भक्त महिला थी,